"33"

pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****

'हरकामदेशकेनाम'

नई दिल्लीः श्रावण 23,1944
शनिवारः 13 अगस्त 2022

राजस्थान के जोधपुर में एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने कहा, बुरी नजर डालने वाले से देश की रक्षा के लिए विश्वसनीय और आसान सुरक्षा प्रणालीबनायी गई

"लोगों की सुरक्षा और संरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता"

'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' हमारा नया मंत्र है; इसका उद्देश्य भारत को शुद्ध रक्षा निर्यातक बनाना है : श्री राजनाथ सिंह

सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी भारत विरोधी तत्व देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता पर बुरी नजर न डाल सके एक विश्वसनीय और आसान (फुलप्रूफ) सुरक्षा प्रणाली बनायी है। यह बात रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 13 अगस्त 2022 को राजस्थान के जोधपुर में प्रसिद्ध मारवाड़ी योद्धा वीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर कही। श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार भारत के लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और राष्ट्र को आश्वासन दिया कि देश में शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेनाओं को नवीनतम हथियारों/प्लेटफॉर्मों से सुसज्जित किया जा रहा है और वे भविष्य के सभी खतरों से निपटने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए तैयार हैं।

रक्षा मंत्री ने एक मजबूत सेना के निर्माण के लिए रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि रक्षा मंत्रालय ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत सशस्त्र सेनाओँ के लिए स्वदेशी हथियारों /प्लेटफार्मों के निर्माण हेतु कई सुधार किए हैं। उन्होंने कुछ सुधारों को सूचीबद्ध किया, जिसमें 2022-23 में घरेलू उद्योग के लिए पूंजीगत खरीद बजट का 68 प्रतिशत निर्धारित करना और निजी उद्योग के लिए घरेलू पूंजी खरीद बजट का 25 प्रतिशत आवंटित करना शामिल है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किए गए उपायों के कारण, भारत ने दुनिया के शीर्ष 25 रक्षा निर्यातकों में जगह बनाने के लिए बड़ी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा, 'इस दशक के अंत तक भारत न केवल अपने लिए रक्षा उपकरण बनाएगा, बल्कि मित्र देशों की जरूरतों को भी पूरा करेगा। 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द

वर्ल्ड' हमारे रक्षा उत्पादन विभाग का नया मंत्र है। हमारा संकल्प आने वाले समय में भारत को रक्षा उपकरणों का शुद्ध निर्यातक बनाने का है।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर वीर दुर्गादास राठौर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें सामाजिक समरसता, ईमानदारी, वीरता और समर्पण-भाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लोगों को जाति या धर्म से ऊपर उठकर वीर दुर्गादास राठौर से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने समाज में विभाजनकारी तत्वों के खिलाफ शांति और सद्भाव के लिए प्रयास किया।

एबीबी/डीके/डीएस